दिनांक: 7-4-2019

ओमशांति

जिस गुजरात की भूमि पर बाबाने मुजे पहले- पहले बिठाया, उस गुजरात में बाबा का ईतना बडा 'रीट्रीट' बन रहा है, वह मेरी भी शान है।

- आदरणीय जानकी दादीजी (*6-4-2019*)

बापदादा की गोद में सदैव रहेनेवाली और पलनेवाली, हर पल बाबा के संग व साथी, बापदादा की छत्रछाया में रहते हुए वर्तमान में बेहद यज्ञ की पालना की मूर्त, ज्ञानरत्नों से श्रृंगारित, विश्व में भ्रमण करते हुए विश्व कल्याणकारी बन सर्व को सकाश देने वाली, ऐसी परम विभूति, संपन्नता की साक्षात् मूरत, परम आदरणीय जानकी दादीजी का दिनांक 6 अेप्रिल, 2019 (शनिवार) को 'चेटीचंद', 'गुडी पाडवा' और 'चैत्री नवरात्री' प्रारंभ के त्रिवेणी पर्व पर गुजरात के अहमदाबाद शहर के पास में निर्माण हो रहे '**गुजरात ग्लोबल रीट्रीट सेन्टर' की 'ईन्द्रप्रस्थ' भूमि में शुभ आगमन हुआ।**

गुजरात के अलौकिक ईतिहास में ईस महान दिवस पर, **दादीजी के वरद हस्तों से 'ईन्द्रप्रस्थ' भूमि पर 'ब्रह्मस्थान' में निर्माण होने वाले पिरामीड टाईप के 'बाबा के भव्य होल' का 'मंगल खात मर्हुत' संपन्न हुआ।**

साथ-साथ, टेकसास **USA** के ब्र.कु. डॉ. हंसा बहन रावल के अपने 1000 चोरस वार के नवनिर्मित्त 'वीला' में आदरणीय दादीजी ने अपने शुभ पावन कदम रख, **'शुभ मुर्हत' की सभी मंगल विधि अपने हस्तो से की।**

ततपश्चात्, सुशोभित मंच पर बहुत ही धामधुम से गीत-संगीत के साथ दादीजी की 'अलौकिक समारोह' में पधरामणि हुई। **आदरणीय दादीजी के द्वारा 'मंगल दीप प्राग्टय विधि' और 'केक-कटींग' का सेलीब्रेशन हुआ।**

परम श्रध्धये दादीजी के यह आर्शीवचन रहे, **"हमारे 'मधुबन' और अहमदाबाद के बीच में यह 'रीट्रीट' बन रहा है, यह वन्डरफुल स्थान है। सभी पहले यहां आयेंगे, फिर अहमदाबाद आते वाया आबु पहुंचेंगे। जिस गुजरात की भूमि पर बाबाने मुजे पहले-पहले बिठाया उस गुजरात की भूमि पर बाबा का ईतना बडा रीट्रीट बन रहा है, वह मेरी भी शान है।"**

दादीजी के साथ मीठी हंसाबहन, टेकसास की डो. हंसा बहन रावल, मार्क भाई, गुजरात झोन की आदरणीय सरला दीदी, ब्र.कु. डो. मुकेश भाई, बी.के. विनुभाई, ब्र.कु. नेहाबहन, ब्र.कु. उषा बहन और ब्र.कु. अमर बहन मंच पर उपस्थित थे। कुमारी डॉ. दामीनी ने मनभावन भावो के साथ स्वागत गीत प्रस्तृत किया। सिंधी नव वर्ष के उपलक्ष्य में कु. विश्वंभरा के मनमोहन नृत्य से सभी में आनंद की लहर छा गई।

GGRC के सभी मेम्बर्स, कई सेवाकेन्द्र के सीनीयर बहने और मुख्य भाईयों ने इस अनुठे-अनमोल कार्यक्रम का लाभ लिया।